

**Bus Service in the Capital**

1495. SHRI S. M. KRISHNA: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the D.T.C. services in the Capital have very much deteriorated, there are long-standing queues; commuters are huddled in the buses in peak hours like animals; their services are very erratic and number of trips are missed;

(b) whether there is over-crowding in mini-buses in Delhi and whether they are immune from over-loading; and if not, what action has been taken to stop such over-loading which is at times more than double the authorised capacity;

(c) what steps have been or are being taken to improve the Bus services in the capital particularly at this juncture when due to rise in fuel prices, a very large number have taken to travel in Buses alone; and

(d) what has happened to the venture of putting matadors or small buses on a point-to-point run?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI BUTA SINGH):

(a) No, Sir. It is not correct to say that D.T.C. services have deteriorated. However, during peak hours there is over-crowding in buses.

(b) Legal action is taken by the Enforcement Authority of Delhi Administration and Delhi Police against such over-loading. Action is also taken by DTC against the mini bus owners who are operating their buses under DTC whenever specific complaint is received in terms of the provisions of the agreement entered into by DTC with these operators. However, during peak hours it sometimes becomes in-escapable as passengers force their way into the bus in spite of refusal by the conductor.

(c) DTC has formulated a Five Year Plan detailing the schemes which will enable provision of ade-

quate transport services to the commuters in Delhi. The over-crowding is expected to be reduced with the availability of planned additionality of buses and infra-structural facilities. The current year's plan provides for augmentation of 630 new buses and reduction in the number of held-up buses thereby increasing fleet utilisation. Further, the Corporation improving its repairing capacity and work on its second central workshop is in progress.

Over-crowding in buses will also be reduced with the introduction of electrified ring railway in the capital.

(d) The matter is under consideration of Delhi Administration.

**मीठापुर में पक्के पुल का निर्माण**

1496. श्री रामावतार शास्त्री : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पटना नगर का रेल लाइन के दक्षिण की ओर तेजी से विकास हो रहा है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि पटना जंक्शन के पश्चिम में मीठापुर गोमती में पटना दक्षिण के पूर्व में राजेन्द्र नगर में यातायात परिवहन की सुविधा के लिए पिछले कई वर्षों से पक्के पुल के निर्माण की मांग की जा रही है ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है ?

रेल मंत्रालय तथा ससदीय कार्य विभाग में उपमंत्रो (श्री मन्त्रिकार्जुन) : (क) से (ग) वर्तमान नियमों के अनुसार वर्तमान समपारों के बदले ऊपरी/निचले सड़क पुल बनाने के प्रस्ताव राज्य सरकार/स्थानीय प्राधिकरण द्वारा प्रायोजित किये जाने अपेक्षित हैं। साथ ही उन्हें अपने हिस्से की लागत वहन करने का वचन भी देना होता है।

राजेन्द्र नगर में वर्तमान समपार के बदले ऊपरी सड़क पुल बनाने के प्रस्ताव की रेलवे द्वारा राज्य सरकार के परामर्श से जांच की जा रही है। मोठापुर में ऊपरी/निचले सड़क पुल के निर्माण के लिए राज्य सरकार/स्थानीय प्राधिकरण से अभी तक कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

### रानीपुर में रेलवे क्रासिंग

1497. श्री रामावतार शास्त्री : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पूर्वी रेलवे के गुनजारबाग स्टेशन के पूर्व में रानीपुर-खिड़की महाला पर रेलवे क्रासिंग बनाने की मांग अनेक वर्षों से की जा रही है; और

(ख) यदि हाँ, तो सरकार द्वारा इस बारे में क्या कार्यवाही की गई है ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उपमंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) और (ख). 1959-60 में पटना नगर निगम ने समपार को चौकीदार वाला मानक चौड़ाई 18 फुट का बनाने तथा इस का दर्जा बढ़ाकर 'सी' श्रेणी करने का एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। पटना नगर निगम ने इस काम की लागत के लिए 16034 रुपये की राशि भी जमा करा दी थी। लेकिन, रेलवे ने काम शुरू नहीं किया था क्योंकि पटना नगर निगम ने 18 फुट लम्बे मानक पहुंच मार्ग की व्यवस्था नहीं की जब कि वर्तमान नियमों के अनुसार ऐसा करना अपेक्षित था। पटना नगर निगम ने 1974 में इस प्रस्ताव को फिर से भेजा। लगभग 14 वर्ष की मध्यवर्ती अवधि के दौरान मजदूरी और सामग्री की लागत बढ़ जाने तथा संरक्षा की दृष्टि से फाटक पर सिगनल की व्यवस्था करने के संदर्भ में रेलवे को फिर से, अनुमान तैयार करना पड़ा। कार्य की संशोधित अनुमानित लागत 1,29,488 रुपये थी जिस की सूचना

पटना नगर निगम की जून, 1975 में दे दी गयी थी परन्तु शेष राशि रेलवे के पास अभी तक जमा नहीं करायी गयी है।

मजदूरी तथा सामग्री की लागत में और वृद्धि हो जाने के कारण अनुमान में पुनः संशोधन करना होगा। उत्तर दिशा में पटना नगर निगम द्वारा अभी भी, पहुंच मार्ग का पुनः ग्रेड निर्धारित किया जाना है। वर्तमान मूल्य के आधार पर जब भी लागत की राशि जमा करा दी जायेगी, रेलवे प्रायः आवश्यक कार्यवाही करेगी।

### Railway Workshop at Jamalpur

1498. SHRI DHARAMBIR SINHA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there has been a persistent demand from the Small Scale Units of Jamalpur and Monghyr that spare parts and other sundries should be purchased locally for the consumption of Railways Workshop at Jamalpur; and

(b) the total quantity of purchases made annually and the cost involved in it for purchases made in Calcutta and Monghyr (including Jamalpur)?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) No.

(b) The total purchases made directly by Jamalpur during the last 12 months is Rs. 6.64 lakhs out of which the purchases made from Calcutta is Rs. 6.23 lakhs and from Monghyr (including Jamalpur) is Rs. 0.41 lakhs.

### डबल इंकर सवारी डिब्बे

1499. आचार्य भगवान देव : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रेलवे में इस समय कितने डबल इंकर सवारी डिब्बे चल रहे हैं तथा ये किन रूटों पर चल रहे हैं; और